फोनी तूफान का भारत ही नहीं, इस देश पर भी होगा गहरा असर, भारी बारिश की संभावना

नेपाल मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हिमालयी देश के पूर्वी व मध्य क्षेत्र में शुक्रवार और शनिवार को हल्की बारिश हो सकती है.

काठमांडू: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारत के ओडिशा राज्य से शुक्रवार को टकराने वाले भीषण चक्रवाती तूफान फोनी से नेपाल के कुछ क्षेत्रों का मौसम प्रभावित होने की संभावना है. मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी.

नेपाल मौसम पूर्वानुमान के अनुसार हिमालयी देश के पूर्वी व मध्य क्षेत्र में शुक्रवार और शनिवार को हल्की बारिश हो सकती है, हालांकि यहां चक्रवात की कोई संभावना नहीं है. नेपाल के खुंब सहित हिमालय के उच्च क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है.

द हिमालयान टाईम्स के अनुसार, देश के मौसम पूर्वानुमान विभाग ने बताया कि चक्रवात की वजह से पूर्वी नेपाल के कुछ क्षेत्रों में भी नमी में बढ़ोतरी हो सकती है.

उल्लेखनीय है कि ओडिशा के तट से शुक्रवार सुबह फोनी चक्रवात टकरा गया. फोनी की वजह से तेज बारिश हो रही है और हवाएं चल रही हैं. इस समय पुरी

और उसके आसपास के इलाकों में हवा की रफ्तार 200 किमी प्रति घंटे से अधिक है. राज्य सरकार ने ओडिशा में करीब 11 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा है. साथ ही अन्य लोगों को घरों पर ही रहने की सलाह दी गई है.

ओडिशा के गंजाम और पुरी में फोनी कहर बरपा रहा है. गंजाम, भुवनेश्वर और पुरी में कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे गिर पड़े हैं. उन्हें हटाने का कार्य लगातार जारी है. समुद्र के किनारे बसे मंदिर शहर पुरी में कई इलाके और अन्य जगहों में पानी भर गया है. राज्य के सभी तटीय इलाकों में भारी बारिश हो रही है. कई पेड़ उखड़ गए और भुवनेश्वर समेत कुछ स्थानों पर बनीं झोपड़ियां तबाह हो गई हैं.

मौसम विभाग के अनुसार पुरी में इस समय हवा की अधिकतम रफ्तार 240 किमी प्रति घंटा से 245 किमी प्रति घंटा के बीच है. साथ ही पूरे ओडिशा तट पर भारी बारिश हो रही है. फोनी के पूरी तरह से टकराने के बाद इसका असर कम होगा और यह पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों की ओर जाएगा. पश्चिम बंगाल में फोनी चक्रवात को देखते हुए दीघा में तैनात की गई एनडीआरएफ की टीम ने दत्तापुर और तेजपुर से 132 लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा है. इनमें 52 बच्चे भी शामिल हैं.

नवाज शरीफ को पाकिस्तान SC से बड़ा झटका, खारिज हुई स्थायी जमानत की याचिका

इस्लामाबाद। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा की जमानत बढ़ाए जाने की याचिका को खारिज कर दिया है। भ्रष्टाचार आरोपों का सामना कर रहे नवाज ने मेडिकल आधार पर जमानत के लिए याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश आसिफ सईद खोसा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने इस याचिका को खारिज किया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, कोर्ट ने उन्हें 26 मार्च को छह हफ्ते के लिए विदेश इलाज कराने को लेकर जमानत दी थी।

25 अप्रैल को उन्होंने शीर्ष अदालत में स्थाई जमानत के लिए समीक्षा याचिका पेश की थी। बता दें की नवाज की जमानत 7 मई को समाप्त होने वाली है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अदालत ने शरीफ को छह सप्ताह की जमानत दी थी, ताकि उन्हें उपचार मिल सके, लेकिन पूरी जमानत अवधि पाकिस्तान मुस्लिम लीग की स्थिति का पता लगाने के लिए परीक्षण कराने में खर्च की गई थी । हमने उन्हें छह सप्ताह की जमानत दी थी जैसा कि पांच मेडिकल बोर्ड और 31 डॉक्टरों द्वारा सिफारिश की गई थी। ताकि उनकी एंजियोग्राफी हो सके। लेकिन, मूल्यांकन और परीक्षण आयोजित करने में समय व्यतीत किया गया।

उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता के आचरण से पता चलता है कि उनके जीवन के लिए कोई खतरा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि नई मेडिकल रिपोर्टों से पता चला है कि शरीफ की सेहत बिगड़ रही थी और सुधार नहीं हो रहा था, लेकिन उन्होंने कहा उसके लिए जेल में इलाज किया जाना संभव था क्योंकि अधीक्षक को आवश्यकता पड़ने पर उसे अस्पताल भेजने का अधिकार होगा। हालांकि, जस्टिस खोसा ने यह भी कहा कि शीर्ष अदालत शरीफ के स्वास्थ्य के बारे में नई चिकित्सा रिपोर्टों के आधार पर अपने आदेश की समीक्षा नहीं कर सकती है।

न्यायधीश खोसा ने कहा कि जो भी लोग चिकित्सा आधार पर जमानत के लिए आवेदन करते हैं और दावा करते है कि उनके जीवन को खतरा है ऐसे में समीक्षा करना एक लंबी प्रक्रिया बन जाएगी। शरीफ को अब मंगलवार को जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करना होगा। बता दें कि शरीफ 24 दिसंबर, 2018 से लाहौर कोट की लखपत जेल में सात साल की जेल की सजा काट रहे हैं। उन्हें तीन भ्रष्टाचार के मामलों में से एक में दोषी ठहराया गया है। उन्हें तीन भ्रष्टाचार के मामलों में से एक में दोषी ठहराया गया है।

अपने प्रेमी से शादी रचाने जा रही है न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री, पिछले साल बनी थीं मां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न और लंबे समय से उनके प्रेमी क्लार्क गेफोर्ड शादी रचाने जा रहे हैं. अर्डर्न और गेफोर्ड के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रेमी जोड़ा ईस्टर की छुट्टियों के दौरान शादी रचाने के लिए तैयार हो गया है. इनकी एक बेटी नीव भी है.उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या प्रधानमंत्री की शादी की तारीख तय हो गई या किसने किसे शादी का प्रस्ताव दिया. प्रवक्ता ने कहा, ''मैं इसके अलावा और कुछ नहीं कह सकता कि उन्होंने सगाई कर ली है और यह ईस्टर पर हुआ.'' अर्डर्न (38) ने पिछले साल जून में नीव को जन्म दिया था. वह पद पर रहते हुए बच्चे को जन्म देने वाली दुनिया की दूसरी प्रधानमंत्री है.बच्ची के जन्म के बाद टेलीविजन फिशिंग शो होस्ट गेफोर्ड ने घर पर रहकर बेटी की परवरिश करना चुना.

स्वाद के लिए नहीं, रोमांच के लिए कॉफी और बीयर पीते हैं लोग- अध्ययन

शोधकर्ताओं ने कड़वे और मीठे स्वाद वाले पेय पदार्थों के सेवन पर उनके जीन आधारित संबंध का अध्ययन किया. यह अध्ययन 'ह्यूमन मॉलेक्यूलर जेनेटिक्स' में प्रकाशित हुआ है.

वाशिंगटन: अमेरिका में एक विश्वविद्यालय के अध्ययन के मुताबिक कॉफी या बीयर पीने की हमारी प्राथमिकता इन पेय पदार्थों के स्वाद पर आधारित नहीं होती बल्कि इन्हें पीने से हम कैसा महसूस करते हैं, यह इस बार पर निर्भर करता है.

अमेरिका में नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय से वैज्ञानिकों ने हमारे स्वाद लिये जिम्मेदार जीन में विविधता की तलाश की, जिससे कि पेय पदार्थों को पीने की हमारी प्राथमिकता का पता चल सके क्योंकि इन्हें समझने के बाद ही लोगों के खान-पान में फेरबदल के तरीके को समझने में मदद मिल सकती है. उन्होंने ब्रिटेन के बायोबैंक में 3,36,000 लोगों को परोसे गये कड़वे और मीठे स्वाद वाले पेय पदार्थों की संख्या की गणना की.

शोधकर्ताओं ने कड़वे और मीठे स्वाद वाले पेय पदार्थों के सेवन पर उनके जीन आधारित संबंध का अध्ययन किया. यह अध्ययन 'ह्यूमन मॉलेक्यूलर जेनेटिक्स' में प्रकाशित हुआ है. अध्ययन से यह पता चलता है कि कड़वे या मीठे स्वाद वाले पेय पदार्थों की हमारी प्राथमिकता हमारे स्वाद के लिये जिम्मेदार जीन में विविधता के कारण नहीं बल्कि इन पेय पदार्थों को लेकर मनोवैज्ञानिक सक्रियता पैदा करने वाले जीन पर आधारित होती है.

नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन में सहायक प्रोफेसर मर्लिन कोर्नेलिस ने कहा, ''हमारी प्राथमिकता को रेखांकित करने वाली आनुवंशिकी ऐसे पेय पदार्थों को लेकर हमारे मनोविज्ञान को सक्रिय करने वाले घटक से संबंधित होती है.'' कोनेर्लिस ने एक बयान में कहा, ''कॉफी और शराब पीने के बाद लोग जैसा महसूस करते हैं, उसे वे उसी रूप में पसंद करते हैं. इसलिए लोग इन पेय पदार्थों को पीते हैं. यह स्वाद की वजह से नहीं है.''

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)